A memorandum was presented to Mathura-Vrindavan MP Hema Malini ji and she promised to look into it.....

महाकवि सूरदास बन विभाग की गिरफ्त में

महाकवि सूरदास बृज क्षेत्र की संस्कृति और साहित्य के प्रतीक है। भक्ति काल का उन्हें पर्याय माना जाता है। सूरदास जी की समाधि गोबर्धन विकास खंड के परासौली गांव में है ,जबकि कर्मस्थली आगरा जनपद के कीठम वन ब्लाक में है। पूर्वप्रधान मंत्री एवं प्रख्यात किसान नेता स्व चौ रण सिह ने उप्र के वन मंत्री पद के अपने कार्यकाल में इस वन क्षेत्र को सूरदास बनक्षेत्र घोषित किया था जबकि कलांतर सिचाइ विभाग द्वारा प्रबंधित कीठम ढील को सूरसरोवर घोषित कर दिया गया।

सूरदास जी का नाम इस स्थान से जुडना महज संयोग या किसी कल्पना पर आधारित न होकर आगराके डिस्ट्रक्ट गजेटियर के उल्लेख पर आधारित है। महान सर्वेयर एवं पुरातत्व विद् सर जानमार्शल ने इसे चिन्हित किया था । कलकत्ता से प्रकाशित एवं प्रख्यात साहित्यकार स्व बनारसी दास चतुर्वेदी के संपादकत्व में प्रकाशित हिन्दी की मानक मानी जाने वाली पत्रिका 'विशाल भारत' में इसका उल्लेख भी किया गया था। जिस जीर्णशीर्ण निमार्ण को सूरकुटी के नाम से विदवानों के द्वारा चिन्हित किया गया था , 1971 में उसका भ्रमण एवं निरीक्षण पूर्व राष्ट्रपति स्व वी वी गिरी के द्वारा भी किया गया इसी के साथ भव्य सूर स्मारक बनाये जाने के कार्य का शिलान्यास कर सूर कुटी का सूरश्याम मन्दिर के रूप में उद्घाटन भी किया गया। बाद में इसी स्थान पर प्रदेश का पहला दृष्टिहीनों को विद्यालय सूर स्मारक मंडल के द्वारा संचालित किया गया। साठ दृष्टिहीनों की आवासीय व्यवस्था वाला दिव्यांगों को समर्पित यह शिक्षण

संस्थान वर्तमान में भी संचालित है। यही नहीं सूरकुटी वाकायदा पर्यटन मानचित्र में भी आंकितहै।

साहित्यकारों की पहुंचसे दूर किन्तु इतना सब होने के बावजूद सूरदास जी साधना स्थली 'सूर कुटी' तक पहुंचना आम साहित्य प्रमी के लिये आसान नहीं रहा है,साथ ही मंहंगा भी हो गया है। यह स्थिति सूरसरोवर (कीठम झील) को ढाई दशक पूर्व पक्षी अभ्यारण्य घोषित करते ही उत्पन्न हो गयी। सूरस्मारक मंडल को बिना विश्वास में लिये या वैकल्पिक व्यवस्था का इंतजाम किये ही एन एच टू से सूरकुटी होकर यमुना तट स्थित एक अन्य पौराणिक स्थल (आगरा गजेटियर में उल्लेखित) गऊ घाट तक के एम मात्र पहुंच मार्ग को अपने नियंत्रण में ले लिया गया।

तब से आम नागरिकों खास कर साहित्य कारों का सूरकुटी आना जाना मुश्किल हो गया है, वहां तक पहुंचने के लिये वन विभागका सेचुरी मे प्रवेश के लिये नियत तीस रूपये का टिकट लेना पडाता है तथा अगर वाहनभी साथ ही तो सौ रूपये प्रति वाहन चुक्ता करना पडता है।यहीं नहीं साहित्यकारो के आयोजन भी बन विभाग के द्वारा दखल कर हतोत्साहित किये जारहे हैं।

उपरोक्त को दृष्टिगत सूरस्मारक मंडल की ओर से जिला अधिकारी से सूर कुटी तक आवाजाही के लिये बन विभाग के सेंचुरी के लिये टिकट से मुक्त वैकल्पिक मार्ग दिये जाने की मांग मौजूदा जिला अधिकारी श्री पंकज कुमार से की गयी जिस पर उन्होंने उपजिला अधिकारी किरावली तहसली (जिला आगरा) को वैकल्पिक मार्ग सुझाने के लियं आदेश दिया।

लोक निर्माण, वन विभाग , राजस्व विभाग और सूरस्मारक मंडल के प्रतिनिध की मौजूदगी में सर्वे कर सुझाये गये तीन विकल्पों पर जांच परख कर विचार भी किया गया।किन्तु वित्तीय वर्ष 2014-15 में दिये गये इस

सर्वे प्रशासन का क्या रख है अब तक स्पष्ट नहीं हो सका।

वन विभाग के कानून का अपना महत्व है और साहित्य कारों से तो इनकी अहवेलना की संभावना भी नागण्य ही है किन्तु इसके बावजूद वन विभाग अब तक अपने अदूरदर्शिता शून्य 'सूर कुटी क्षेत्र ' पहुंच मार्ग पर अपना नियंत्रण बनाये हुए ह और प्रयास करने के बावजूद खामोशी ही बरकरार रखे हुआ है।

वह संविधान में वर्णत नागरिकों के मूलभूत अधिकारों में शामिल (Cultural and Educational rights) तक को नजर अंदाज किये हुए है।जबकि सर्वविदित है कि नागरिकों के मूलभूत अधिकारों में परिवर्तन या दखल नहीं किया जा सकता । वन विभाग के सेंचुरी संबधी कानून भी इन्हें अनदेखा कर नहींबनाये जा सकते ।

आग्रह/प्रर्थना

ताज लिट्रेचर फैस्टेविल 2016 के मथुरा में आयोजित बृज की साहित्य और सांस्कृतिक विरासत को समर्पित सत्र में आगरा ही नहीं बृज क्षेत्र के बुद्धिजीवियों की ओर से मांग करते हैं कि संविधान में उल्लेखित मूलभूत अधिकारों का सम्मान कर वन विभाग अपने उन प्रतिबंधों और बाध्यताओं को समाप्त करे जिनके कारण साहित्यकारो और सांस्कृतिक धरेहरों के दर्शनार्थियों को महाकवि सूरदास जी की साधना स्थली सूर कुटी तक पहुंचने के अब तक के एक मात्र मार्ग को वन विभाग के नियंत्रण से मुक्त किया जाये और यमुना नदी तट तक के लिये आवाजाही के लिये सेचुरी का टिकट खरीदने की अनिवार्यता को समाप्त किया जाये।

प्रेषक

राजीव सक्सेना

26/19 बल्काबस्ती , आगरा 282002

(9837098028)

सूर स्मारक मंडल से संपर्क हेतु

सूर स्मारक मंडल के वर्तमान अध्यक्ष प्रख्यात कवि श्री गोपाल दास नीरज हैं जबकि महातमंत्री श्रीमती विजय लक्ष्मी शर्मा तथा मंत्री श्री भुवनेश श्रोत्रीय हैं। श्री श्रोत्रीय से उनके 26/9 बल्काबस्ती , आगरा 282002 स्थ'त निवास पर अथवा मोबाइल न: 9411837147 पर संपर्क किया जा सकता है।